डॉ. श्रीकुमार बॅनर्जी
निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र
का संबोधन

डॉ. काकोडकर, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग,

यहाँ उपस्थित डीएई परिवार के वरिष्ठ सदस्यगण एवं प्रिय साथियों,

मेरे लिए यह वास्तव में बड़े हर्ष एवं गर्व की बात है कि मैं आज इस महान संस्थान भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के संस्थापक डॉ. होमी जे. भाभा की 96वीं जयंती के अवसर पर आप सभी का हार्दिक स्वागत कर रहा हूँ । डॉ. भाभा के प्रति अपनी श्रद्धा और आदर के रूप में प्रति वर्ष 30 अक्तूबर को प्रातः एकत्रित होकर हम सब उनका जन्मदिन मनाते हैं । इस दिन हम बीते हुए वर्ष के दौरान प्राप्त उपलब्धियों का जायजा लेते हैं और नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास के माध्यम से अपनी जनता के जीवनस्तर को बढ़ाने से संबंधित अपने प्रिय लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रति पुनःसमर्पित होते हैं । हम नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बने रहने हेतु अपने अनुसंधान एवं विकास कार्यों को और आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

मुझे यह कहते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि हमारे विकास के प्रयासों में पिछला वर्ष एक और सफल वर्ष रहा है । हमारे केंद्र में पिछले वर्ष के दौरान किए गए कार्यों एवं प्राप्त उपलब्धियों की सूची काफी लंबी है । मैंने अपने अंग्रेजी वक्तव्य में उनके बारे में प्रकाश डाला है तथा उसे यहाँ फिर नहीं दोहराना चाहूँगा ।

प्रिय साथियों, मुझे यह विश्वास है कि आप इस बात की प्रशंसा करेंगे कि भापअ केंद्र में प्राप्त उपलब्धियां इसलिए संभव हुई हैं क्योंकि यहां हम सब एकदूसरे के प्रति सद्भावना से काम करते हैं । कभी कभी यह आसानी से पता नहीं चल पाता है कि कैसे किसी एक व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य पूरे कार्यक्रम के साथ जुड़ जाता है । अतः यह हमारा कर्तव्य है कि हम हमेशा उन रचनात्मक प्रयासों को प्रकाश में लाते रहें जिनके कारण किसी अकेले व्यक्ति द्वारा दिया गया योगदान हमारे कार्यक्रम के अंतर्गत अंततः बड़ी घटना में तब्दील हो जाता है । इस एकता में ही हमारी शक्ति है । इस संदर्भ में, मैं कहना चाहता हूँ कि हमारे वैज्ञानिक, प्रशासनिक, सहायक एवं सुरक्षा कर्मचारियों के प्रत्येक वर्ग द्वारा दिया गया योगदान हमारी संपूर्ण उत्कृष्टता को बनाये रखने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है ।

आप सभी को याद होगा कि हाल ही में मुंबई में बाढ़ की कठिन परिस्थिति के दौरान हमारे सहकर्मियों ने कैसा सहयोग दिया था । बाढ़ की कठिन परिस्थिति में बिना थके हमारी सहायता करने वाले उन सभी व्यक्तियों के प्रति मैं हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करता हूँ । अत्यंत कम समय के अंदर प्रभावित क्षेत्रों को साफ करने एवं कई क्षतिग्रस्त उपस्करों को ढूंढ निकालने जैसे कार्य हमारे सहकर्मियों के समर्पित एवं सहयोगी प्रयासों के कारण ही संभव हुए ।

मित्रों, आप सभी इस बात से सहमत होंगे कि हमारे सामने आगे कई चुनौतियां हैं विशेषकर वर्तमान परिदृश्य में जब देश में परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में तेजी से खुलापन आ रहा है । विश्व में हो रहे परिवर्तनों के परिप्रेक्ष्य में नाभिकीय सहयोग के क्षेत्र में हमारे कार्यक्रम में विविध नाभिकीय रिएक्टर प्रणालियों को शामिल करने की बड़ी संभावना है । देश में ऊर्जा की तेजी से वृद्धि की आवश्यकता है । हमें अपने अनुसंधान के दायरे को और बढ़ाना तथा विकसित करना है एवं निकट भविष्य में नई प्रौद्योगिकियों में निष्णांतता हासिल करते हुए आगे आनेवाली चुनौतियों का सामना करने हेतु तैयार रहना होगा ।

नवीनतम रिएक्टर प्रणालियों, त्वरक चालित उपक्रांतिक प्रणाली के विकास से संबंधित हमारे कार्यक्रम में थोरियम के जल्दी उपयोग के बारे में अपनी प्राथमिकताएं एवं चुनौतियां हैं । इन कार्यक्रमों के साथ ही हम आगामी ग्यारहवीं योजना की प्लान परियोजनाओं के अंतर्गत अपने लक्ष्यों को परिभाषित कर अंतिम रूप देने में लगे हैं । जैसाकि आप जानते ही हैं कि हम वर्ष 2006-07 के दौरान बीएआरसी का स्वर्ण जंयती वर्ष मनाने जा रहे हैं और इससे अच्छा अवसर क्या हो सकता है कि जब हम अपने सम्मुख उपस्थित बड़ी प्रौद्योगिक चुनौतियों को स्वीकार करें । विभिन्न गतिविधियों को शुरु करने की योजना का निर्माण एवं वाईज़ाग में 2000 एकड़ से भी अधिक जमीन पर हमारे नए कैम्पस का विकास इस दिशा में एक बड़ा कदम है ।

जहाँ एक ओर हमें उपरोक्त सुकेंद्रित एवं समयबद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु दृढ़ता से आगे कदम बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर एक वैज्ञानिक समुदाय के रूप में हमें अपने संगठन में उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने हेतु मजबूत प्रयास करना होगा । नया स्थापित होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान जो शीघ्र ही कार्यरत होने वाला है, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । हम सभी को व्यक्ति की सृजन क्षमता को बढ़ावा देने तथा उत्कृष्टता के विकास हेतु पूरी सहायता देनी चाहिए, विशेषकर हमारे युवा सहकर्मियों में, ताकि नई खोजों एवं नई संकल्पनाओं के संबंध में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में उन्हें प्रेरणा मिले एवं तथाकथित ब्लू स्काई रिसर्च हमारे कार्यक्षेत्र का अंग बनी रहे ।

मित्रों, आज संस्थापक दिवस समारोह के अवसर पर आइए, हम इस प्रतिष्ठित संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए किए जा रहे विकास संबंधी प्रयासों में निरंतरता बनाए रखने के प्रति अपने आपको पुनः समर्पित करें ताकि राष्ट्रहित में हम अपना प्रमुख योगदान दे सकें । मैं समझता हूँ कि हमारी यह प्रतिज्ञा अपने संस्थापक डॉ होमी जे. भाभा के प्रति हमारी उत्तम श्रद्धांजलि होगी ।

जय हिन्द